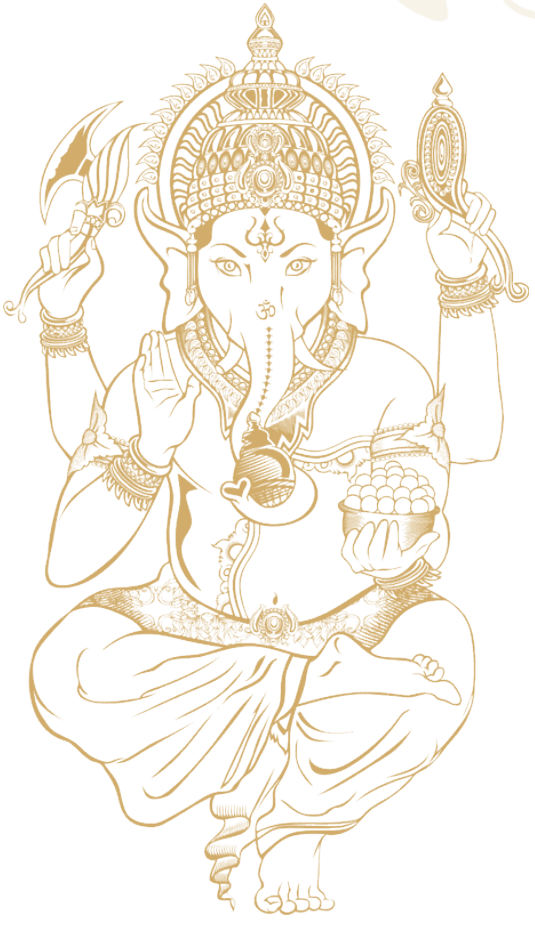

Arvind kumar

09 Jun 1964

04:25 AM

Delhi

Model: Varshphal-2017

Order No: 121715601

तिथि 09/06/1964 **समय** 04:25:00 **वार** मंगलवार **स्थान** Delhi **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:21:19
अक्षांश 28:39:00 उत्तर **रेखांश** 77:13:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:21:08 घंटे

पंचांग

साम्पातिक काल	21:13:16 घं
वेलान्तर	00:00:53 घं
सूर्योदय	05:22:51 घं
सूर्यास्त	19:17:36 घं
चैत्रादि संवत	2021
शक संवत	1886
मास	ज्येष्ठ
पक्ष	कृष्ण
तिथि	14
नक्षत्र	कृतिका
योग	सुकर्मा
करण	शकुनि

अवकहड़ा चक्र

गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ए-एकलव्य
पाया(रा.-न.)	स्वर्ण-स्वर्ण
होरा	शुक्र
चौघड़िया	काल

विंशोत्तरी

सूर्य 1वर्ष 2मा 13दि
शनि
22/08/2016
22/08/2035

शनि	25/08/2019
बुध	05/05/2022
केतु	13/06/2023
शुक्र	13/08/2026
सूर्य	26/07/2027
चन्द्र	23/02/2029
मंगल	04/04/2030
राहु	08/02/2033
गुरु	22/08/2035

योगिनी

उल्का 1वर्ष 2मा 13दि
भ्रामरी
22/08/2022
22/08/2026

भ्रामरी	31/01/2023
भद्रिका	22/08/2023
उल्का	22/04/2024
सिद्धा	31/01/2025
संकटा	22/12/2025
मंगला	31/01/2026
पिंगला	22/04/2026
धान्या	22/08/2026

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			08:53:59	वृष	कृतिका	4	सूर्य	शुक्र	---	0:00			
सूर्य			24:47:00	वृष	मृगशिरा	1	मंगल	राहु	शत्रु राशि	1.65	आत्मा	पितृ	विपत
चंद्र			07:19:40	वृष	कृतिका	4	सूर्य	केतु	मूलत्रिकोण	1.58	पुत्र	मातृ	जन्म
मंगल			00:30:35	वृष	कृतिका	2	सूर्य	राहु	सम राशि	1.64	कलत्र	भ्रातृ	जन्म
बुध			05:27:29	वृष	कृतिका	3	सूर्य	बुध	मित्र राशि	1.06	ज्ञाति	ज्ञाति	जन्म
गुरु			20:06:34	मेष	भरणी	3	शुक्र	राहु	मित्र राशि	1.29	अमात्य	धन	अतिमित्र
शुक्र	व		11:19:50	मिथु	आर्द्रा	2	राहु	शनि	मित्र राशि	1.28	मातृ	कलत्र	क्षेम
शनि			11:39:07	कुंभ	शतभिषा	2	राहु	शनि	मूलत्रिकोण	1.55	भ्रातृ	आयु	क्षेम
राहु	व		08:43:16	मिथु	आर्द्रा	1	राहु	गुरु	उच्च राशि		---	ज्ञान	क्षेम
केतु	व		08:43:16	धनु	मूल	3	केतु	गुरु	उच्च राशि		---	मोक्ष	मित्र

लग्न-चलित

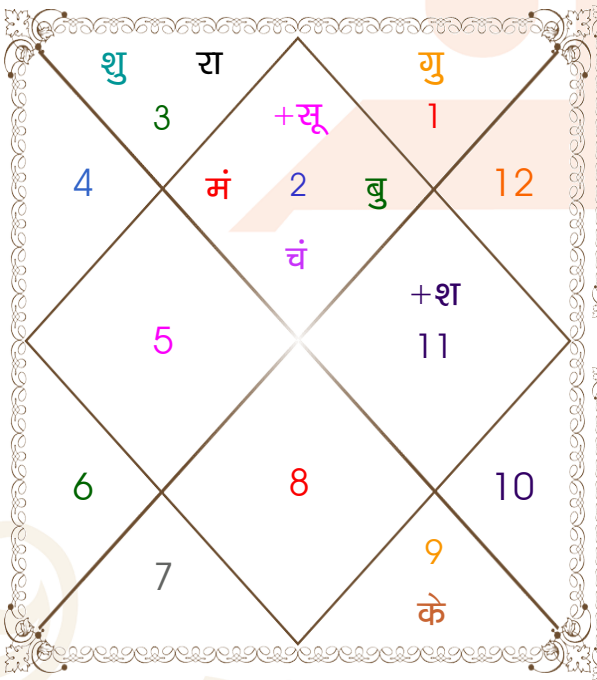

चन्द्र कुंडली

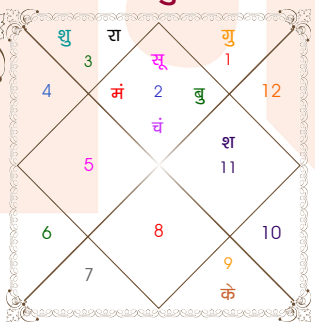

नवमांश कुंडली

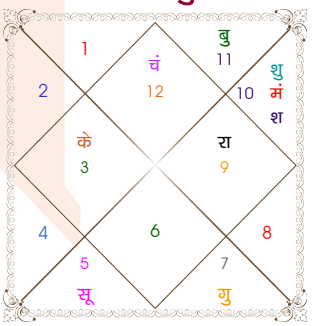

सर्वाष्टकवर्ग

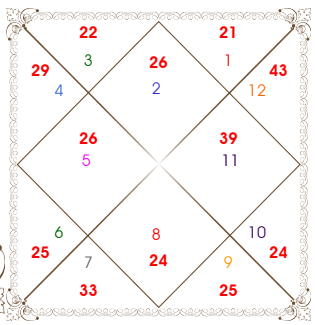

दशमांश कुंडली

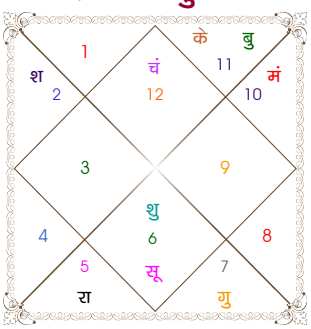

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आपके समस्त शुभ एवं सांसारिक कार्य सम्पन्न होंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक स्थिति भी इस समय अच्छी रहेगी तथा मन में शान्ति एवं सन्तुष्टि बनी रहेगी। इस वर्ष में व्यक्तिगत सुख शान्ति तथा समृद्धि बनी रहेगी तथा पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। संतति पक्ष से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में उन्नतिशील रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को आप सम्पन्न करते रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क एवं तीर्थयात्रा के भी योग बनेंगे। इस समय आपकी बुद्धि तीक्ष्ण रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे तथा आप पर पूर्ण विश्वास करेंगे। अतः आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष उत्तम रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी इच्छित उन्नति एवं विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। साथ ही राज्य या सरकार के द्वारा आपको कोई विशिष्ट सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपको महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। शत्रु या विरोधी पक्ष को इस समय आप पराजित करेंगे तथा नवीन आय स्रोतों में वृद्धि करके आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहेंगे। साथ ही कोई विशष्ट लाभ भी हो सकता है। अतः यह समय आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक आपका समय व्यतीत होगा।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा अपने सांसारिक महत्व के कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आपकी प्रसन्नता तथा शान्ति बनी रहेगी तथा स्वभाव में विनम्रता का भाव विद्यमान रहेगा। संतति पक्ष से इस समय आप निश्चिंत एवं प्रसन्न रहेंगे तथा उनसे आप पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। साथ ही अपने कार्य क्षेत्र में भी वे उन्नतिशील रहेंगे। स्त्री से भी इस समय आप सन्तुष्ट रहेंगे एवं उससे आपको वांछित सहयोग प्राप्त होगा। इस वर्ष आपकी बुद्धि में भी तीव्रता रहेगी फलतः सभी कार्य बुद्धिमता पूर्वक सम्पन्न होंगे। धार्मिक कार्य कलापों में भी आपकी रूचि रहेगी तथा किसी शुभ कार्य पर आपका व्यय होगा। साथ ही भौतिक सुख संसाधनों की भी आपको प्राप्ति होगी एवं प्रसन्नता पूर्वक इसका उपभोग करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा तथा व्यापार में विस्तार या कोई नया कार्य प्रारंभ होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। राजनीति तथा नौकरी के क्षेत्र में इस समय आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी । उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेताओं से आपके मधुर संबंध रहेंगे एवं उनसे आप वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस वर्ष में आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश की अभिवृद्धि होगी एवं आर्थिक क्षेत्र में भी आप उन्नति करेंगे तथा आपके आय स्रोतो में भी वृद्धि होगी। अतः समय का सदपुयोग करें तथा शुभ कार्यो को पूर्ण करने में तत्पर रहें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे।साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी मिलती रहेंगी। मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे तथा मन में स्फूर्ति का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि स्वच्छ एवं निर्मल रहेगी तथा आपकी बुद्धिमता से सभी लोग प्रभावित रहेंगे तथा आपको यथोचित मान सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। संतति प क्ष से इस समय आपको वांछित सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा अपने क्षेत्र में वे पूर्ण सफलताएं अर्जित करेंगे। साथ ही आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। इस समय कार्य क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी तथा प्रभाव में भी वृद्धि होगी। फलतः सामाजिक प्रतिष्ठा के साथ साथ यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा।

इस समय आप की प्रवृति धार्मिक रहेगी तथा धर्म संबधी कार्यो को करने के लिए तत्पर रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगे।साथ ही किसी शुभ या पुण्य अथवा परोपकार संबधी कार्य भी आप इस वर्ष में सम्पन्न कर सकते हैं। नाना प्रकार के भौतिक सुख संसाधनों की भी इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग इस समय आपसे प्रसन्न रहेगा तथा इनसे आपको इच्छित सहयोग एवं लाभ प्राप्त होता रहेगा फलतः आप सुखपूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थतियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्व्रजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। साथ ही मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे। इस समय मित्रवर्ग एवं संबधियों से आपको इच्छित सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा तथा आप भी उनकी भलाई के लिए कार्यो को करने में तत्पर रहेंगे। आर्थिक स्थिति इस वर्ष सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा। साथ ही भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करने में भी आप सफल रहेंगे तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष अनुकूल रहेगा। इस समय नौकरी या राजनीति में आपकी पदोन्नति होगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग या राजनेताओं से आपके सम्पर्क बनेंगे तथा इनसे भी आप इच्छित सहयोग एवं लाभ प्राप्त करेंगे। व्यापार में भी आपकी प्रगति होगी तथा प्रचुर मात्रा में लाभ मिलेगा। साथ ही व्यापार में विस्तार या कोई नया कार्य आरंभ करने में भी आप सफल रहेंगे।इस समय आपकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही सरकारी क्षेत्र में आपको कोई सम्मान प्राप्त हो सकता है। इस समय आपकी आशाएं सफल होंगी तथा विगत रूके हुए कार्य भी पूर्ण होंगे तथा वाहन सुख भी प्राप्त करेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

प्रथम मास

10/06/2026 01:55:26 से 11/07/2026 12:26:10 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	रेवती	22:28:59
सूर्य		वृष	मृगशिरा	24:47:00
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	12:26:11
मंगल		मेष	भरणी	22:03:20
बुध		मिथुन	आर्द्रा	18:15:15
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	01:33:12
शुक्र		कर्क	पुनर्वसु	01:34:17
शनि		मीन	रेवती	18:42:59
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	08:40:37
केतु	व	सिंह	मघा	08:40:37
मुंथा		कर्क	पुष्य	08:53:59

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

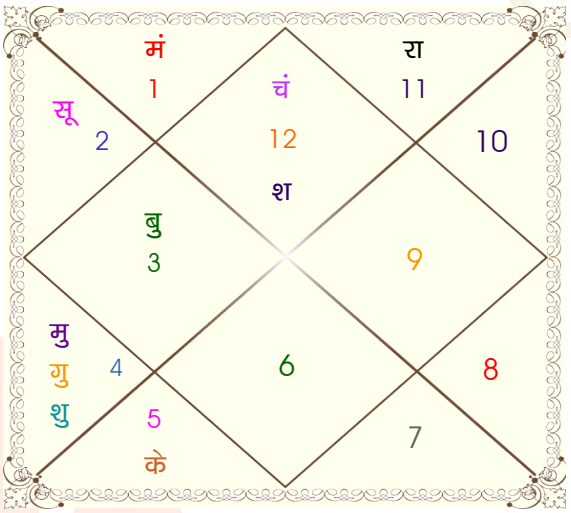

यह मास आपका प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। इस समय आपकी बुद्धि निर्मलता से युक्त रहेगी तथा सभी महत्पूर्ण कार्य बुद्धि बल से सम्पन्न होंगे। साथ ही आपको पुत्र सुख तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी होगा। इस समय आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग इसे मन से स्वीकार करेंगे। साथ ही आप अनेक प्रकार के शुभ कार्यों को सम्पन्न करेंगे एवं शुभ समाचार भी प्राप्त होंगे। देवता तथा ब्राहमण के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा आप विधिपूर्वक इनका पूजन तथा सम्मान करेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप अनकूल लाभ प्राप्त करेंगे। इस समय आपको समाज में मान प्रतिष्ठा की भी प्राप्ति होगी एवं मानसिक चिन्ताएं भी दूर होंगी।

साथ ही इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा पदोन्नति भी मिल सकती है। इस समय आप देश विदेश की लाभदायक यात्रा भी कर सकते हैं।साथ ही अन्य प्रकार के सुखों को अर्जित करने में भी आप सफल रहंगे।

द्वितीय मास
11/07/2026 12:26:10 से 11/08/2026 21:39:27 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	चित्रा	23:45:25
सूर्य		मिथुन	पुनर्वसु	24:47:00
चन्द्र		वृष	रोहिणी	10:51:06
मंगल		वृष	रोहिणी	14:35:23
बुध	व	मिथुन	पुनर्वसु	27:36:45
गुरु		कर्क	पुष्य	08:09:37
शुक्र		सिंह	मघा	07:30:40
शनि		मीन	रेवती	20:18:53
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	06:21:03
केतु	व	सिंह	मघा	06:21:03
मुंथा		कर्क	पुष्य	11:23:59

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

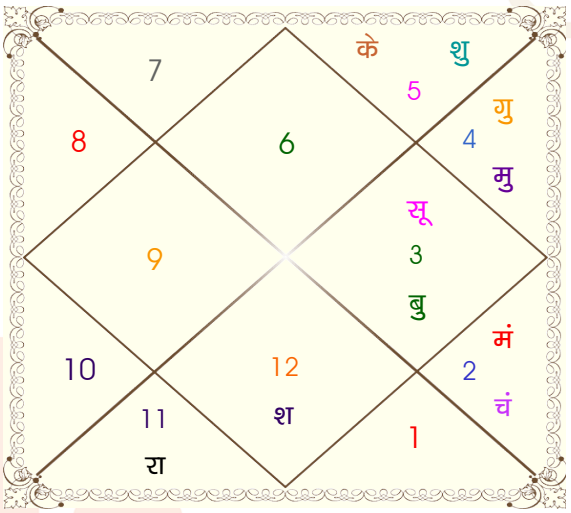

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नतापूर्व व्यतीत करेंगे। इस समय स्त्री वर्ग से आप पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे जिससे आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करेंगे। आपका स्वास्थ्य इस मास अच्छा रहेगा तथा किसी भी प्रकार से शारीरिक या मानसिक अस्वस्थता नहीं रहेगी। अध्ययन या ज्ञानार्जन में आपकी रूचि बढ़ेगी तथा मित्र वर्ग से सम्बन्धों में मधुरता रहेगी एवं उनका पूर्ण सहयोग प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही वांछित द्रव्य पदार्थों का उपभोग करके आप प्रसन्नता को प्राप्त करेंगेत संतति पक्ष से भी आपको शुभ फल ही प्राप्त होंगे तथा किसी प्रकार से चिन्ता नहीं रहेगी। मित्रों तथा सम्बन्धियों में आपकी प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी सफलता अर्जित होगी। फलतः आप आनंदपूर्वक इस मास को व्यतीत करेंगे।

इसके साथ ही आप पुत्र एवं स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा विद्याध्ययन में भी उन्नति होगी। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्रों या द्रव्य आदि की भी आपको उपलब्धि हो सकती है। इस प्रकार आप शान्ति एवं प्रसन्नतापूर्वक इस मास को व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

तृतीय मास
11/08/2026 21:39:27 से 11/09/2026 23:21:14 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	रेवती	19:34:31
सूर्य		कर्क	आश्लेषा	24:47:00
चन्द्र		कर्क	पुष्य	10:22:15
मंगल		मिथुन	मृगशिरा	05:58:47
बुध		कर्क	पुष्य	09:01:59
गुरु		कर्क	पुष्य	15:05:11
शुक्र		कन्या	हस्त	10:37:22
शनि	व	मीन	रेवती	20:18:21
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:34:08
केतु	व	सिंह	मघा	05:34:08
मुंथा		कर्क	पुष्य	13:53:59

मासाधिपति : चन्द्र

मासाधिपति

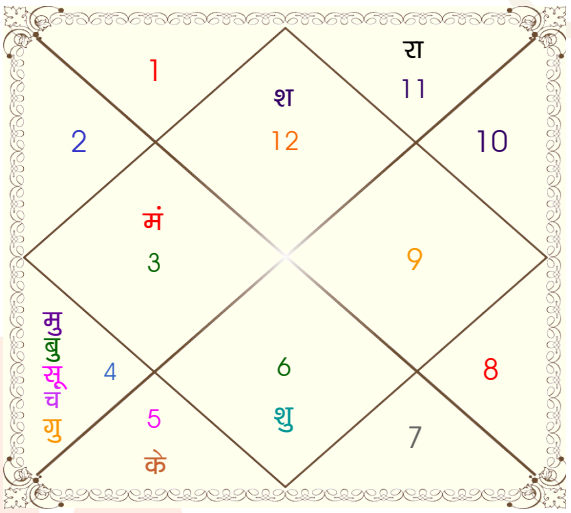

यह मास आपके लिए विशेष शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला होगा। इस मास में आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य आप अपनी बुद्धिबल से ही सम्पन्न करेंगे। इस समय आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगे एवं पुत्र सुख भी आपको प्राप्त होगा। आपके प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी एवं सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को मन से स्वीकार करेंगे। इस मास आपके शुभ कार्य भी सम्पन्न होंगे तथा किसी शुभ समाचार को भी प्राप्त करेंगे। देवता तथा ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा इनका आप यथोचित सम्मान एवं पूजन करेंगे। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप यथोचित लाभ अर्जित करने में भी सफल सिद्ध होंगे एवं समाज से पूर्ण मान प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे।अतः मानसिक रूप से पूर्ण प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख अर्जित करेंगे एवं अपनी बुद्धिमता से आवश्यक शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने में भी सफल रहेंगे। धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक कार्य क्रम का आयोजन करने में भी आप प्रवृत होंगे।

चतुर्थ मास
11/09/2026 23:21:14 से 12/10/2026 13:30:35 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	मृगशिरा	25:52:58
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:47:00
चन्द्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	02:23:13
मंगल		मिथुन	पुनर्वसु	25:53:21
बुध		कन्या	उ०फाल्गुनी	07:33:19
गुरु		कर्क	आश्लेषा	21:40:51
शुक्र		तुला	स्वाति	06:40:18
शनि	व	मीन	रेवती	18:46:40
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:33:37
केतु	व	सिंह	मघा	05:33:37
मुंथा		कर्क	पुष्य	16:23:59

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

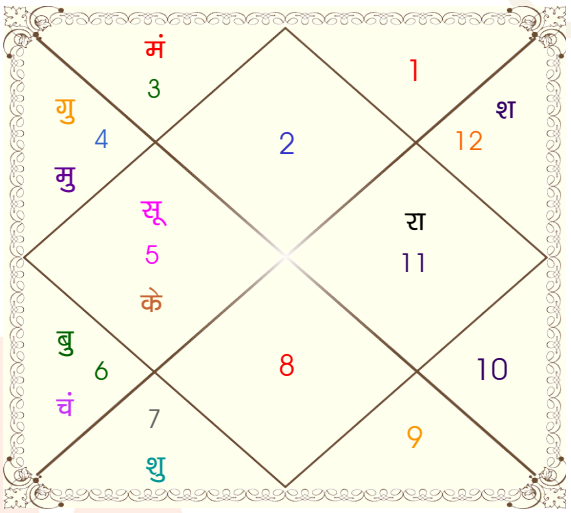

यह मास आपके लिए उत्तम तथा शुभ फल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा नाना प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज एवं समाजिक जनों से आप यथोचित आदर तथा सम्मान प्राप्त करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूजा एवं सम्मान का भाव विद्यमान रहेगा तथा धर्मानुपालन में भी आपकी रूचि उत्पन्न होगी। साथ ही अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्यो को भी आप सम्पन्न करेंगे। शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आश्रय प्राप्त करके समाज में यश एवं प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। इस महीने में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उनको सहयोग तथा सुख प्रदान करेंगे इसके अतिरिक्त अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को पूर्ण करने में भी आप सफलता अर्जित करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से भी सुख प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि में भी सद्विचारों की वृद्धि होगी। विविध प्रकार के सुखों का आप इस समय उपभोग कर सकेंगे। इसके अलावा धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन करने में भी आप सफल हो सकेंगे। इस प्रकार यह मास आपका शान्ति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

पंचम् मास
12/10/2026 13:30:35 से 11/11/2026 15:20:26 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	उत्तराषाढ़ा	29:51:38
सूर्य		कन्या	चित्रा	24:47:00
चन्द्र		तुला	स्वाति	14:34:46
मंगल		कर्क	पुष्य	13:55:29
बुध		तुला	स्वाति	19:47:16
गुरु		कर्क	आश्लेषा	27:17:26
शुक्र	व	तुला	स्वाति	12:39:04
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	16:27:25
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	04:24:32
केतु	व	सिंह	मघा	04:24:32
मुंथा		कर्क	आश्लेषा	18:53:59

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

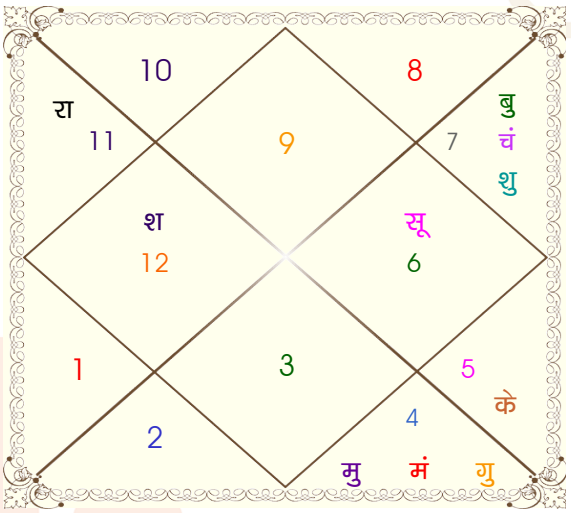

यह मास आपके लिए मध्यम रहेगा तथा शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को आप प्राप्त करेंगे। इस समय शत्रु पक्ष प्रबल होने से आप उनसे चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे साथ ही घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी। इस मास में धन का व्यय अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक रूप से भी आप परेशानी की अनुभूति करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा। इस समय आप शारीरिक रूप से भी अस्वस्थ रहेंगे एवं अन्य कई प्रकार से शारीरिक एवं मानसिक कष्टों को प्राप्त करेंगे। अतः शारीरिक बल की भी आप में न्यूनता रहेगी। इस मास में आप दूर या समीप की यात्रा भी कर सकते है। आपके सांसारिक कार्यो में कई प्रकार से विध्न बाधाएं आएंगी अतः इन्हें समय पर पूर्ण करने में आप असमर्थ रहेंगे। साथ ही मुकद्दमें आदि कार्य में भी आपके धन का अपव्यय हो सकता है। अतः सोच समझकर बुद्धिमता से अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगे।अतः आप स्त्री एवं पुत्र से सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा इस समय आप नवीन वस्त्र या अन्य द्रव्यों को भी अर्जित कर सकेंगे जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी।

षष्ठ मास
11/11/2026 15:20:26 से 11/12/2026 07:18:14 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	उ०भाद्रपद	13:26:38
सूर्य		तुला	विशाखा	24:47:00
चन्द्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	18:31:43
मंगल		कर्क	आश्लेषा	29:26:27
बुध	व	तुला	स्वाति	11:17:04
गुरु		सिंह	मघा	01:13:19
शुक्र	व	कन्या	चित्रा	28:46:02
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	14:27:43
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	01:28:11
केतु	व	सिंह	मघा	01:28:11
मुंथा		कर्क	आश्लेषा	21:23:59

मासाधिपति : चन्द्र

मासाधिपति

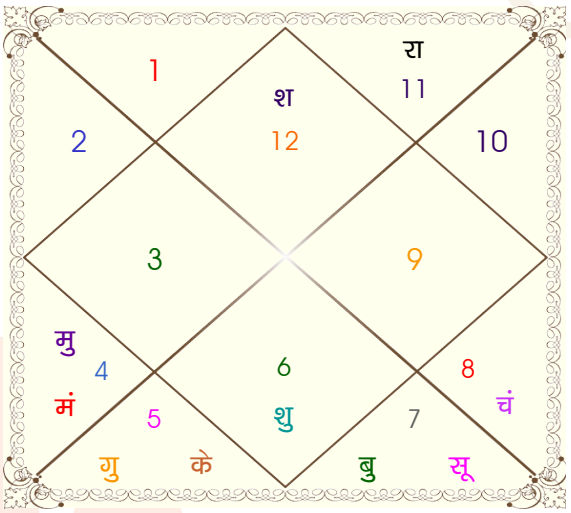

इस मास में आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी। अतः आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य स्वबुद्धि बल से ही सम्पन्न होंगे। इस समय आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगे तथा पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इस मास में आप ज्ञानार्जन करने में भी सफल रहेंगे। साथ ही प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को हृदय से स्वीकार करेंगे। इस मास में आपके अधिकाशं शुभ कार्य सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप यथोचित लाभार्जन करने में सफल रहेंगे एवं समाज से भी आप पूर्ण मान प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। अतः मन से भी सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में आप अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे। इससे आप वायु द्वारा उत्पन्न रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी तथा इसके लिए आप पश्चाताप करेंगे। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप धन हानि को प्राप्त कर सकते है। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा।

सप्तम् मास
11/12/2026 07:18:14 से 09/01/2027 18:18:45 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	27:05:36
सूर्य		वृश्चिक	ज्येष्ठा	24:47:00
चन्द्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	16:56:50
मंगल		सिंह	मघा	11:06:55
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	12:57:11
गुरु		सिंह	मघा	02:46:56
शुक्र		तुला	स्वाति	10:29:40
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	13:41:42
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	28:11:47
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	28:11:47
मुंथा		कर्क	आश्लेषा	23:53:59

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

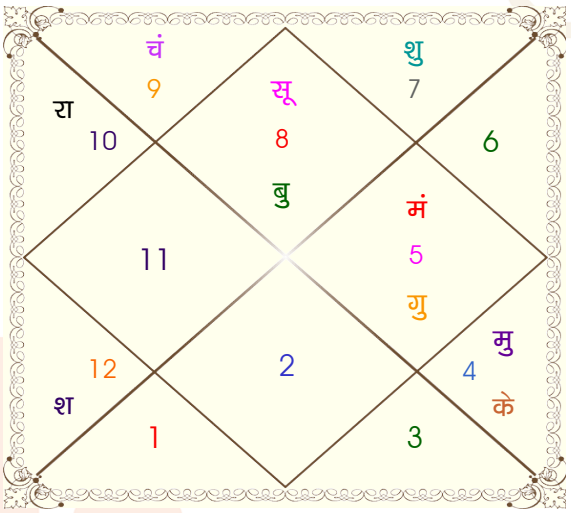

यह मास आपके लिए पूर्ण रूप से शुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा आप किसी सम्मानीय पद को प्राप्त करने में भी सफल होंगे। इस मास में आपका धनार्जन प्रचुर मात्रा में होगा तथा सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभ तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम सम्पन्न होने की संभावना रहेगी। साथ ही स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा यथाशाक्ति आप इनका पूजन तथा सत्कार करेंगे। समाज में इस समय आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा अधिकाशं भाग्योदय संबधी कार्य भी इसी समय सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता रहेगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग एवं सुख प्राप्त करेंगे। इस प्रकार इस समय सर्वत्र आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से मनोवांछित सहयोग तथा सुख की प्राप्ति करेंगे तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करके अन्य स्त्रोतों से भी धनार्जन तथा सुख संसाधन अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगे। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

अष्टम् मास
09/01/2027 18:18:45 से 08/02/2027 06:27:59 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	03:44:20
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	24:47:00
चन्द्र		मकर	श्रवण	12:59:12
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	16:11:06
बुध		धनु	उत्तराषाढ़ा	29:33:54
गुरु	व	सिंह	मघा	01:34:47
शुक्र		वृश्चिक	अनुराधा	08:01:49
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	14:28:45
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	26:27:32
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	26:27:32
मुंथा		कर्क	आश्लेषा	26:23:59

मासाधिपति : चन्द्र

मासाधिपति

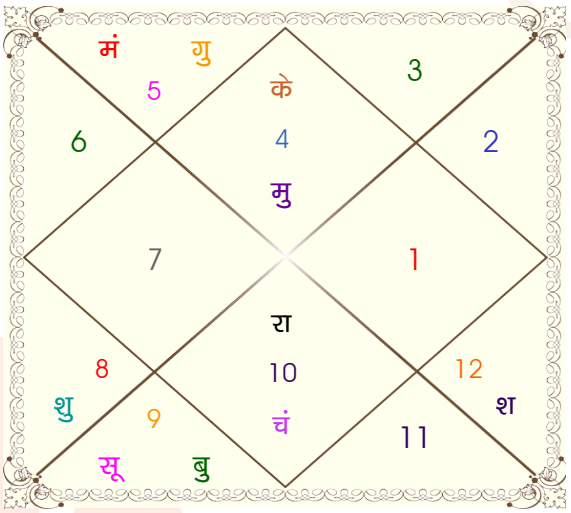

इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा आपके पराक्रम में नित्य वृद्धि होती रहेगी अतः इस समय आपके शत्रु वर्ग कमजोर रहेंगे एवं आप से प्रभावित तथा भयभीत रहेंगे।उच्चाधिकारी वर्ग से इस समय सम्मान एवं सहयोग अर्जित करने में आप सफल रहेंगे।साथ ही मुख्य कार्य के अतिरिक्त अन्य स्त्रोतों से भी आप लाभार्जन करेंगे। अतः आपकी अर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी इससे समाज तथा मित्रवर्ग में प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपके सौभाग्य में भी वृद्धि होगी तथा पूर्व विलंबित हुए शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य स्वतः सिद्ध हो जाएंगे। साथ ही सांसारिक कार्यों में भी आप सफल रहेंगे एवं सर्वत्र आनन्द एवं प्रसन्नता का वातावरण विद्यमान रहेगा।

परन्तु शुभफलों के साथ साथ यदाकदा आपको अशुभ फलों की भी प्राप्ति होगी।अतः आप गर्मी या पित द्वारा उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही इस समय किसी प्रकार से रक्त विकार भी हो सकता है।अतः शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सचेत रहें। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी क्षति हो सकती है।अतः सावधानी एवं सतर्कता पूर्वक कार्यों को सम्पन्न करना चाहिए।

नवम् मास
08/02/2027 06:27:59 से 10/03/2027 01:36:27 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	श्रवण	12:24:04
सूर्य		मकर	धनिष्ठा	24:47:00
चन्द्र		कुम्भ	शतभिषा	10:02:35
मंगल	व	सिंह	मघा	10:57:41
बुध		कुम्भ	शतभिषा	11:29:08
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	28:11:46
शुक्र		धनु	मूल	10:51:59
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	16:39:41
राहु		मकर	धनिष्ठा	26:17:11
केतु		कर्क	आश्लेषा	26:17:11
मुंथा		कर्क	आश्लेषा	28:53:59

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

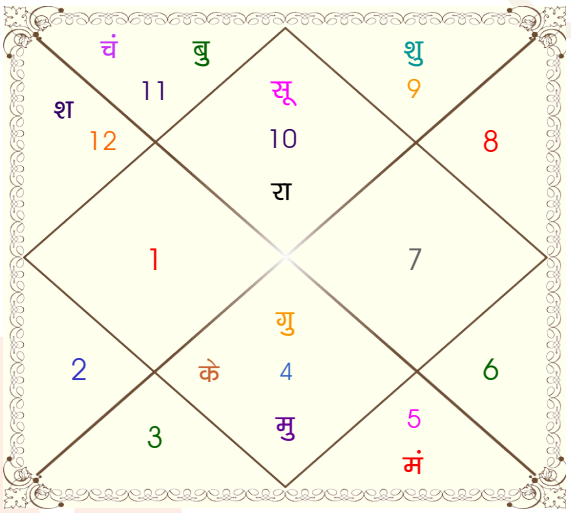

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय आप स्त्री तथा बन्धुवर्ग से कष्ट प्राप्त करेंगे अथवा इनको किसी प्रकार की कष्टानुभूति हो सकती है। साथ ही आपका शत्रुपक्ष भी इस मास में बलवान रहेगा जिससे आप इनकी ओर से भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे तथा इनके द्वारा आपके लिए समस्याएं भी उत्पन्न होंगी। इस समय आप में उत्साह के भाव की न्यूनता रहेगी तथा धन का व्यय भी अधिक होगा जिससे आप आर्थिक रूप से भी परेशान रहेंगे।साथ ही लोभ के भाव की आप में अधिकता दृष्टिगोचर होगी।बन्धु एवं मित्रों से आपके विशेष अच्छे संबध नहीं रहेंगे एवं परस्पर मनमुटाव रहेगा तथा इस समय मित्र भी शत्रुओं की तरह व्यवहार करेंगे। इसके अतिरिक्त पारिवारिक तथा सामाजिक जनों से भी परस्पर विवाद होता रहेगा। अतः संयम पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करना चाहिए।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ यदाकदा शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप स्त्री से सुख एवं लाभ अर्जित करने में सफल होंगे। साथ ही अधिकाशं कार्यो को अपनी बुद्धि बल से सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त इस मास में आप सामान्य धनार्जन तथा सुख प्राप्त करने में भी समर्थ रहेंगे।

दशम् मास
10/03/2027 01:36:27 से 09/04/2027 07:54:14 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	28:54:20
सूर्य		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:47:00
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	11:40:32
मंगल	व	कर्क	आश्लेषा	29:59:00
बुध		मकर	धनिष्ठा	28:36:39
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	24:32:47
शुक्र		मकर	श्रवण	15:57:35
शनि		मीन	रेवती	19:51:27
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	26:06:59
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	26:06:59
मुंथा		सिंह	मघा	01:23:59

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

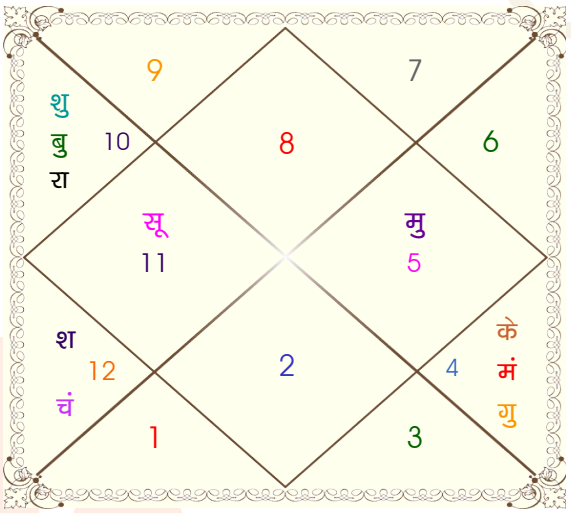

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा समाज से आप यथोचित आदर एवं सम्मान प्राप्त करेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको पूर्ण सहयोग तथा सम्मान मिलेगा एवं उनसे आप वांछित लाभ भी प्राप्त करेंगे तथा आपसे वे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे इच्छित सहयोग की आपको प्राप्ति होगी। साथ ही आपके अधिकांश शुभ कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे। देवता एवं ब्राहमणों में भी आपकी श्रद्धा रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करेंगे। सन्तति पक्ष से भी आप निश्चिन्त रहेंगे एवं उनसे आप वांछित सुख भी प्राप्त करेंगे। साथ ही बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्ति आपके पूर्व संकल्प भी इस मास में पूर्ण होंगे जिससे मानसिक रूप से भी शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला सहयोगियों से पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा धर्मानुपालन में भी आप तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकते हैं।

एकादश मास
09/04/2027 07:54:14 से 10/05/2027 02:41:16 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मेष	कृतिका	29:08:48
सूर्य		मीन	रेवती	24:47:00
चन्द्र		मेष	भरणी	21:18:34
मंगल		कर्क	आश्लेषा	27:01:18
बुध		मीन	उ०भाद्रपद	05:58:27
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	22:46:47
शुक्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:21:53
शनि		मीन	रेवती	23:36:03
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	24:22:14
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	24:22:14
मुंथा		सिंह	मघा	03:53:59

मासाधिपति

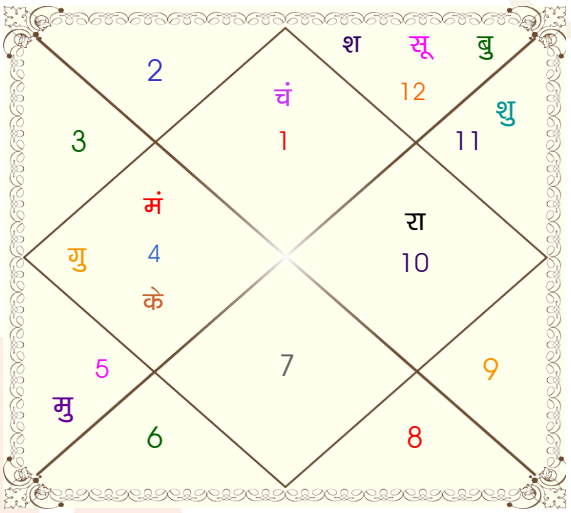

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही नवीन ज्ञानार्जन करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित आदर प्रदान करेंगे।आपके महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी सुनने को मिलेगा।देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा के कार्य में तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य के उच्चाधिकारी वर्ग से भी लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में आप सफल होंगे।साथ ही आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा मानसिक चिन्ताओं से मुक्ति मिलेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से धनार्जन एवं सुख साधनों को प्राप्त करने में समर्थ सिद्ध होंगे। इसके अतिरिक्त इस समय धर्मानुपालन में तत्पर रह कर समाज के सभी लोगों में आप एक प्रतिष्ठित व्यक्ति रहेंगे तथा वे आपका हार्दिक सम्मान करेंगे।

द्वादश मास
10/05/2027 02:41:16 से 10/06/2027 07:54:19 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	पू०भाद्रपद	25:04:08
सूर्य		मेष	भरणी	24:47:00
चन्द्र		मिथुन	आर्द्रा	10:42:21
मंगल		सिंह	मघा	04:04:01
बुध		वृष	कृतिका	07:22:04
गुरु		कर्क	आश्लेषा	23:50:06
शुक्र		मीन	रेवती	29:41:24
शनि		मीन	रेवती	27:23:09
राहु	व	मकर	श्रवण	21:15:01
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	21:15:01
मुंथा		सिंह	मघा	06:23:59

मासाधिपति : सूर्य

मासाधिपति

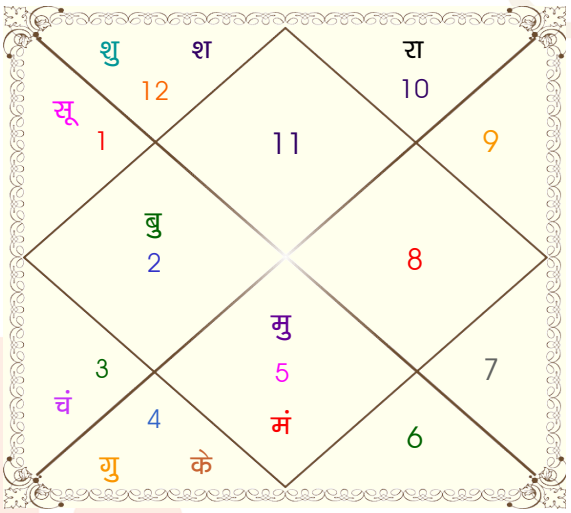

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा स्त्री एवं बन्धुवर्ग से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे या इन्हें भी किसी प्रकार का कष्ट हो सकता है। साथ ही आपका शत्रु पक्ष भी आपसे बलवान रहेगा जिससे आपके लिए अनावश्यक समस्याएं तथा बाधाएं उत्पन्न होंगी। अतः इनसे आप काफी असुविधा का सामना करेंगे तथा मानसिक रूप से चिन्तित भी रहेंगे। इस मास में आपके उत्साह के भाव में न्यूनता रहेगी तथा धन का व्यय भी अनावश्यक रूप से अधिक होगा जिससे आर्थिक रूप से भी आप परेशान रहेंगे। इसके साथ ही आपके स्वभाव में लोलुपता के भाव में भी वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग प्राप्त करने में असफल रहेंगे तथा ऐसे समय में मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे। इसके अतिरिक्त परिवार तथा अन्य सामाजिक जनों से भी विवाद आदि होते रहेंगे। अतः संयम एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में न्यूनाधिक रूप से आप शुभ फल भी अर्जित करेंगे। इससे आप स्त्री से सहयोग प्राप्त करेंगे तथा अपनी बुद्धिमता के द्वारा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सफलता प्राप्त करेंगे।साथ ही धन तथा सुख प्राप्त करने में भी आपको सफलता मिलेगी। अतः मानसिक रूप से आप अल्प मात्रा में सन्तुष्ट हो सकेंगे।